तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ट्रॉली में मारी टक्कर

कार सवार 4 युवकों में 2 की मौत

हरसिद्धि (आससे) । थाना क्षेत्र के गायघाट स्थित धर्मकांटा के पास रविवार की रात भीषण दुर्भटना हुआ, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और धान लदे एक ट्रैक्टर में भीषण टक्कर हुई। इस घटना में स्कार्पियो सवार दो युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो युवक जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित सेवराहा गांव से चार युवक स्कार्पियो गाड़ी से मोतिहारी सिनेमा हॉल में फिल्म देखने निकले थे, इसी बीच रास्ते में गाय घाट चौक धर्मकाटा के पास रोड किनारे खड़े धान से लदे ट्रेक्टर में स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट की आवाज इतनी तेज थी कि घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस हादसे में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस एक्सीडेंट में स्कार्पियो सवार दो युवक की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हैं। घायल युवकों को इलाज के लिए मोतिहारी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर



हरसिद्धि थाने की डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत चारों युवकों को क्षतिग्रस्त गाड़ी से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मनु कुमार सिंह और शुभम कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल आदित्य कुमार सिंह को मोतिहारी अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। चौथे घायल युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। मृतकों में चड़रहिया पंचायत के पूर्व मुखिया मुरारी सिंह के बेटे मनु कुमार सिंह और सेवराहा निवासी अजय सिंह के पुत्र शुभम कुमार शामिल हैं। इस हादसे में जवान बच्चों की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक युवक मनु की शादी तय हो चुकी थी और जल्द घर में शहनाई बजने वाली थी, लेकिन इस घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया है। बेटे के शव को देख पूर्व मुखिया मुरारी सिंह की आंखों से आंसू थम नहीं रहे। वहीं मृतक शुभम के घर का भी यही हाल है, जवान बेटे की मौत से पूरा गांव गमगीन है। बताया जा रहा है कि मानिकपुर हसुआहा निवासी आदित्य कुमार सिंह शाम को अपनी बाइक से अपने दोस्त मनु कुमार सिंह के सेवराहा स्थित सीएसपी सेंटर पर आए थे। वहां शुभम कुमार और एक अन्य दोस्त भी मौजूद था। चारों दोस्तों ने फिल्म देखने का प्लान बनाया था। सब खुशी मातम में बदल गया।

मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

दो देसी कट्टा, तीन अर्द्धनिर्मित कट्टा और तीन कारबाइननुमा हथियार समेत पांच जिंदा कारतूस बरामद

मोतिहारी(आससे) । मोतिहारी के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के गंडक कॉलोनी में अवैध हथियारों के निर्माण और आपूर्ति के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गंडक कॉलोनी में छापेमारी कर पुलिस ने एक कथित मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। मौके से दो देशी कट्टा, तीन अर्द्धनिर्मित कट्टा, कारबाइन जैसे तीन अर्द्धनिर्मित हथियार, पांच जिंदा कारतूस समेत हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों, हरेन्द्र शर्मा और उसके पुत्र प्रिंस कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध हथियार निर्माण और उसकी सप्लाई के नेटवर्क पर बड़ी चोट के रूप में देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपितों द्वारा यूट्यूब वीडियो देखकर हथियार बनाने और फिर उनकी आपूर्ति करने की बात सामने आई है। वायरल वीडियो से खुला मिनी गन फैक्ट्री का राज : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 25 अक्टूबर 2026 को तुरकौलिया थाना को एक वीडियो प्राप्त हुआ था। वीडियो में एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ पूजा करते हुए दिखाई दे रहा था। पुलिस ने वीडियो का सत्यापन शुरू किया तो हथियार के साथ दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान हरेन्द्र शर्मा, पिता स्वर्गीय नगिना ठाकुर, निवासी जयसिंहपुर घरवारी टोला, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई। जांच में यह जानकारी सामने आई कि हरेन्द्र शर्मा वर्तमान में रघुनाथपुर थाना क्षेत्र की गंडक कॉलोनी में मकान बनाकर रह रहा है। इसके बाद मामले की सूचना वरीय पुलिस पदाधिकारियों को दी गई। पुलिस ने सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तत्काल टीम गठित की। वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के मार्गदर्शन में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गंडक कॉलोनी स्थित हरेन्द्र शर्मा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान घर से बड़ी संख्या में तैयार और अर्द्धनिर्मित हथियार बरामद किए गए। इसके साथ ही हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले औजार भी मिले। बरामदगी के बाद पुलिस ने हरेन्द्र शर्मा और प्रिंस कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपित कब से हथियार बनाने का काम कर रहे थे, उनके पास हथियार बनाने का प्रशिक्षण या तकनीकी जानकारी कहां से आई, तैयार हथियारों की सप्लाई किन लोगों को की जाती थी तथा इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो लोहे के देशी कट्टे, तीन अर्द्धनिर्मित कट्टे और कारबाइन जैसे तीन अर्द्धनिर्मित हथियार बरामद किए। इसके अतिरिक्त पांच जिंदा कारतूस, एक चाकू, लकड़ी के बेंट वाली दो हथौड़ियां, एक बड़ा प्लास, एक लोहे काटने की मशीन और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। बरामद अर्द्धनिर्मित हथियारों और उपकरणों से पुलिस को अवैध हथियार निर्माण की गतिविधि की जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। दोनों गिरफ्तार आरोपितों की पहचान : गिरफ्तार आरोपितों में हरेन्द्र शर्मा, पिता स्वर्गीय नगिना ठाकुर तथा प्रिंस कुमार, पिता हरेन्द्र शर्मा, दोनों निवासी जयसिंहपुर घरवारी टोला, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण, मोतिहारी शामिल हैं। छापेमारी दल का नेतृत्व सदर-1 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार ने किया। टीम में तुरकौलिया थानाध्यक्ष पुअनि रणजीत कुमार, रघुनाथपुर थानाध्यक्ष पुअनि धनंजय कुमार, पुअनि मुकेश कुमार, पुअनि अजय कुमार, पुअनि मनीष राज, पुअनि बिन्देश्वर राय, पुअनि अमरजीत कुमार तथा रघुनाथपुर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियार निर्माण की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। अब जांच का मुख्य केंद्र हथियार निर्माण के पूरे नेटवर्क, संभावित खरीदारों और सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करना होगा। बरामदगी एक नजर में लोहे के देशी कट्टे 2, अर्द्धनिर्मित कट्टे 3, कारबाइन जैसे अर्द्धनिर्मित हथियार 3, जिंदा कारतूस 5, चाकू 1, हथौड़ी 2, बड़ा प्लास 1, लोहे काटने की मशीन 1, मोबाइल फोन 4, गिरफ्तार आरोपित 2 हरेन्द्र शर्मा और प्रिंस कुमार।

ब्राउन शुगर जैसे पदार्थ के साथ युवक गिरफ्तार

मदरसा टोला में पुलिस ने की काररवाई

रक्सौल (पूर्वी चंपारण) । नेपाल के बारा जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जीतपुर से एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से ब्राउन शुगर जैसा दिखने वाला भूरा पदार्थ बरामद किया गया है। हालांकि, बरामद पदार्थ ब्राउन शुगर ही है या नहीं, इसकी पुष्टि के लिए जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, बारा जिले के जीतपुरसिमरा उपमहानगरपालिका-7 स्थित मदरसा टोला में गुरुवार की रात करीब 8:20 बजे पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर छापेमारी की। इलाका प्रहरी कार्यालय जीतपुर के प्रमुख उमेश निरौला के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने 26 वर्षीय इमाम देवान को हिरासत में लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार युवक के पास से प्लास्टिक सहित कुल 0.110 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा दिखने वाला भूरा पदार्थ बरामद हुआ है। बरामद पदार्थ की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बरामद पदार्थ की प्रकृति स्पष्ट हो सकेगी।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

रक्सौल(संसू) । प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी के अध्यक्षता में बच्चों को यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार से सुरक्षित रखने तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चम्पारण द्वारा जंगी भगत उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय, आदापुर में स्कूली बच्चियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम *जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण के निर्देशानुसार संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पी ओ सी एस ओ एक्ट 2012 के विभिन्न प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा छिपाने के बजाय उचित सहायता लेना आवश्यक है। कार्यक्रम में बाल यौन



शोषण से संबंधित मामलों में बच्चों की सुरक्षा, शिकायत की प्रक्रिया तथा जरूरत पड़ने पर 'चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, प्रयास हेल्प लाईन नम्बर 9289692023, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन हेल्प लाईन नम्बर 18001027222 पर कॉल कर के सूचित कर सकते के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के बारे में भी जानकारी दी गई।

छात्राओं को सोशल मीडिया और इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहने तथा अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने के प्रति जागरूक किया गया।इस अवसर पर बाल संरक्षण के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया गया कि बच्चों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि विद्यालय, समाज और संबंधित संस्थाओं की भी है। शिक्षकों, अभिभावकों एवं समुदाय के सहयोग से बच्चों के लिए सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण तैयार किया जा सकता है, ताकि वे अपनी शिक्षा जारी रखते हुए अपने भविष्य को बेहतर बना सकें।प्रधानाध्यापक आर के भारती द्वारा बताया गया कि प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चम्पारण द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना तथा बाल यौन शोषण एवं अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार की रोकथाम के लिए जागरूकता फैलाना रहा। मौके पर सभी शिक्षक शिक्षिका एवं प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चम्पारण के सामाजिक कार्यकर्ता राज गुप्ता, अभिषेक कुमार, आशीष कुमार, उमेश कुमार एवं सैकड़ों के संख्या में बच्चियों ने भाग लिया।

दीपावली और छठ पूजा को लेकर अग्निशमन विभाग अलर्ट

पटाखा दुकानों और गोदामों का किया निरीक्षण

मोतिहारी (आससे) । दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर पूर्वी चंपारण जिला अग्निशमन विभाग ने अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में शनिवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के नेतृत्व में पटाखों के थोक विक्रेताओं एवं भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पटाखा दुकानों के लाइसेंस, भंडारण की व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक मानकों की जांच की गई। विभाग ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पटाखों के सुरक्षित भंडारण और बिक्री पर विशेष जोर दिया गया। दुकानदारों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने, प्रतिष्ठानों में आवश्यक अग्निशमन उपकरण उपलब्ध रखने तथा किसी भी संभावित अग्नि दुर्घटना से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया गया। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि बिना वैध लाइसेंस पटाखों का भंडारण या बिक्री करते पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि पटाखों का भंडारण एवं बिक्री निर्धारित नियमों और सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही करें। विस्फोटक नियमावली, 2008 के नियम 84 एवं 85 के तहत लागू प्रावधानों के अनुसार अस्थायी पटाखा दुकानों की व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन सुनिश्चित किया जाए। पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त परिसर में ही की जानी चाहिए। उन्होंने दुकानदारों को आग लगने की आशंका को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। दुकानों में पटाखों के आसपास पेट्रोल, डीजल, केरोसिन या अन्य ज्वलनशील पदार्थ नहीं रखने, आग उत्पन्न करने वाले खुले स्रोतों से दूरी बनाए रखने तथा विद्युत तारों और उपकरणों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही, प्रतिष्ठानों में नियमानुसार उपयुक्त अग्निशमन उपकरण रखने और आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया। अग्निशमन विभाग ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान पटाखों की मांग बढ़ने के कारण दुकानदारों को सुरक्षा नियमों के प्रति और अधिक जिम्मेदार रहने की आवश्यकता है। लाइसेंस संबंधी नियमों का उल्लंघन, असुरक्षित भंडारण अथवा अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण का उद्देश्य पटाखा कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना और संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते रोकना है। जिला अग्निशमन विभाग ने आम नागरिकों से भी दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा कि पटाखे खुले और सुरक्षित स्थान पर ही जलाएं। बच्चों को पटाखे जलाते समय कभी अकेला न छोड़ें तथा ज्वलनशील वस्तुओं, दुकानों, वाहनों और बिजली के तारों के आसपास पटाखे जलाने से बचें। पटाखे जलाते समय पानी, बालू या अन्य उपयुक्त प्राथमिक सुरक्षा व्यवस्था पास में रखना भी उपयोगी है। विभाग ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की आग लगने या अन्य आपातकालीन स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल अग्निशमन सेवा को सूचना दें तथा स्वयं और आसपास के लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। जिला अग्निशमन विभाग, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी ने दोहराया कि त्योहारों को सुरक्षित एवं दुर्घटनामुक्त बनाना उसकी प्राथमिकता है। विभाग का संकल्प है कि अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाकर, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कर और समय रहते आवश्यक कदम उठाकर जन-धन की सुरक्षा की जाए।

एलएनडी कॉलेज में प्रथम सेमेस्टर की इंटरनल परीक्षा शुरू

मोतिहारी (आससे) । लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में सोमवार से स्नातक सत्र 2026 30 के प्रथम सेमेस्टर का आंतरिक मूल्यांकन शांतिपूर्वक माहौल में शुरु हुआ।

प्रथम दिन सभी मेजर विषयों की परीक्षा ली गई। महाविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ जौवाद हुसैन ने बताया कि 27 अक्टूबर को सभी एम्आईसी विषयों,28 अक्टूबर को सभी एमडीसी, 29 अक्टूबर को एईसी,30 अक्टूबर को एसईसी तथा 31 अक्टूबर को भीएसी विषयों की परीक्षा ली जाएगी। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ प्रभाकर कुमार ने बताया कि छात्र छात्राओं को अपना फ़ी रसीद लाना अनिवार्य होगा।

सीमा पार वीरगंज को आधुनिक बनाने की तैयारी, 30 महीने में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

रक्सौल (पूर्वी चम्पारण) । रक्सौल/वीरगंज। भारत-नेपाल सीमा के दोनों ओर बसे रक्सौल और वीरगंज के विकास की तस्वीर में बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। नेपाल की ओर वीरगंज को व्यवस्थित, सुरक्षित, आधुनिक और सुंदर शहर बनाने की दिशा में योजनाबद्ध पहल की जा रही है, वहीं भारतीय सीमा से सटा रक्सौल आज भी बुनियादी सुविधाओं, बदहाल शहरी व्यवस्था और विकास की धीमी रफ्तार जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। सीमा के दोनों ओर विकास की इस असमान तस्वीर ने रक्सौल के जनप्रतिनिधियों और नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नेपाल सरकार के भौतिक पूर्वाधार मंत्री सुनील लम्साल ने वीरगंज सड़क परियोजना की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) का 3डी मॉडल सार्वजनिक किया है। इस परियोजना के माध्यम से वीरगंज को व्यवस्थित, सुरक्षित, आधुनिक और आकर्षक शहर के रूप में विकसित करने की योजना है। निर्माण कार्य को 30 महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल शहर के भविष्य को ध्यान में रखकर विकास की स्पष्ट रूपरेखा और समयसीमा तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह के नेतृत्व और शहर के विकास से जुड़े प्रयासों का भी उल्लेख जरूरी है। वीरगंज को बेहतर शहरी सुविधाओं और व्यवस्थित स्वरूप की ओर ले जाने की पहल ने शहर के विकास को लेकर नई उम्मीदें पैदा की हैं।

केबल चोरी होने से विद्यालय की बिजली सप्लाई ठप

चकिया (आससे) । प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित +2 माध्यमिक विद्यालय घनश्याम पकड़ी में विद्युत केबल चोरों का आतंक कायम है। विधालय मे लगे विधुत केबुल अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लेने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है जिस कारण विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावित हो गई है । बिजली नहीं रहने से विद्यार्थियों एंव शिक्षक-शिक्षिकाओं को पेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मृगेंद्र कुमार ने विद्युत विभाग को आवेदन दिया तथा अविलम्ब केबुल जोड़ कर विधुत व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। विधुत विभाग को दिये गये आवेदन के माध्यम से प्राचार्य ने कहा है कि विगत 5 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने करीब 6 सौ मीटर विद्युत केबल काट लिया गया है ।उसी समय से विद्यालय की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।प्रधानाध्यापक ने विभाग से जल्द विद्युत व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है।

इलेक्ट्रॉनिक कचरा के सुरक्षित निस्तारण एवं पर्यावरण संरक्षण पर जागरुकता कार्यक्रम

मोतिहारी(आससे) । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-वेस्ट) के सुरक्षित निस्तारण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के प्रसार हेतु एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. कविता श्रीवास्तव ने किया।

सत्र में ई-वेस्ट के निरंतर बढ़ते उत्पादन, इसके अनुचित निस्तारण से पर्यावरण को होने वाली क्षति तथा मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को पुराने कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बैटरी एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण की विधियों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही ई-वेस्ट प्रबंधन नियम, 2022 के प्रावधानों तथा 'रिड्यूस, रीयूज़ और रीसाइकिल' के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ इलेक्ट्रॉनिक कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन भी उतना ही अनिवार्य हो गया है।विभाग के प्रो. अरविंद कुमार शुक्ल ने कहा कि तकनीकी विकास तभी सार्थक है, जब वह पर्यावरण के अनुकूल हो। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विवेकपूर्ण उपयोग, उनकी उपयोग-अवधि बढ़ाना तथा अनुपयोगी उपकरणों का अधिकृत केंद्रों के माध्यम से निस्तारण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम हैं। प्रो. विकास पारीक ने ई-वेस्ट प्रबंधन को सतत विकास का अभिन्न अंग बताते हुए विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आचरण अपनाने के लिए प्रेरित किया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. प्राणवीर सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे को सामान्य कचरे से पृथक रखने तथा अधिकृत पुनर्चक्रण केंद्रों के माध्यम से उसके सुरक्षित निस्तारण पर बल दिया।

वरिष्ठ पत्रकार रामसागर जी का हृदयाघात से निधन

मोतिहारी (आससे) । वरिष्ठ पत्रकार रामसागर जी का आकस्मिक निधन हृदय गति रुक जाने से रविवार को उनके पैतृक गांव खैरी जमुनिया स्थित आवास पर हो गया। मृतक के परिजनों के अनुसार रविवार सुबह से ही वे घर पर आए अतिथियों के स्वागत-सत्कार में लगे थे। दोपहर करीब दो बजे बाथरूम जाने के दौरान अचानक हृदयाघात हुआ और उन्हें उपचार का मौका भी नहीं मिल सका।र ामसागर जी ने दो दशक से अधिक समय तक पत्रकारिता को समाज सेवा के दायित्व के रूप में जिया। उन्होंने हिंदी दैनिक 'आज' के लिए बंजरिया से और बाद में 'प्रभात खबर' के लिए पीपरा से समाचार संकलन का कार्य किया। स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर उन्होंने ग्रामीण पत्रकारिता की उस परंपरा को जीवित रखा, जिसमें सरोकार ही पत्रकारिता की आत्मा होते हैं। उनका व्यक्तित्व उनकी पत्रकारिता से अधिक उनके व्यवहार में झलकता था। गंभीर स्वभाव, मृदुभाषी शैली और प्रतिकूल परिस्थिति में भी मुस्कान बनाए रखने की क्षमता उन्हें सबसे अलग बनाती थी। उनके निधन से पत्रकारिता जगत ने एक निष्ठावान पत्रकार ही नहीं एक आत्मीय मनुष्य और सहज साथी को खो दिया है।

करवा चौथ 29 को

सुहागन महिलाएं रखेंगी निर्जला व्रत

चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का करेंगी पारन

मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण) । पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ सुहागिन महिलाएं गुरुवार, 29 अक्टूबर को करवा चौथ का व्रत रखेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाए जाने वाले इस पर्व में महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखकर चंद्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। रात्रि 7:57 बजे के बाद चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य अर्पित करने और विधि-विधान से पूजन करने के बाद व्रत का पारण किया जाएगा। महर्षिनगर स्थित आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान-वेद विद्यालय के प्राचार्य सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया कि करवा चौथ को करक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत पति-पत्नी के बीच अटूट प्रेम, विश्वास, समर्पण और सुखी वैवाहिक जीवन का प्रतीक है। इस दिन विवाहित महिलाएं पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, यश और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। उन्होंने बताया कि करवा चौथ के अवसर पर भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान कार्तिकेय, गणेश और चंद्रदेव की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चंद्रमा को आयु वृद्धि और शीतलता का कारक माना गया है। चंद्रोदय के बाद महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य अर्पित कर व्रत से संबंधित पूजा संपन्न करती हैं और पति के हाथों जल ग्रहण करने के बाद भोजन करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि और दांपत्य संबंधों में प्रेम एवं विश्वास बना रहता है।

नम आंखों से मां दुर्गा को दी विदाई

वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार पूर्णिमा के बाद माता दुर्गा की प्रतिमा हुई विसर्जित

चिरैया (आससे) । भक्ति, आस्था और भावुकता के माहौल में सोमवार की सुबह ब्लॉक रोड स्थित बेलही दुर्गा मंदिर परिसर से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदाई दी। गाजे-बाजे, भक्ति गीतों और 'अगले बरस तू जल्दी आना' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

बेलही दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र के दौरान शुरू हुई पूजा-अर्चना और साधना का क्रम आश्विन पूर्णिमा तक चला। पूर्णिमा तक मेले का आयोजन होने के बाद सोमवार को वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार प्रतिमा विसर्जन किया गया। जहां अधिकांश स्थानों पर विजयादशमी के अगले दिन प्रतिमा विसर्जन किया जाता है, वहीं बेलही दुर्गा माता मंदिर में पूर्णिमा के अगले दिन विसर्जन करने की परंपरा रही है।

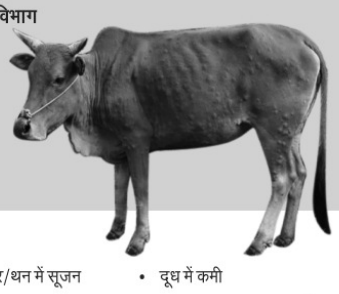
विसर्जन के दौरान महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के जयकारे लगाए और पारंपरिक भक्ति गीतों के बीच विसर्जन यात्रा निकाली। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक विदाई गीत गाकर मां को भावभीनी विदाई दी। इसके बाद मंदिर के पीछे स्थित पोखर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

पूजा समिति के सचिव अमलेश कुमार ने कहा कि मां दुर्गा की विदाई के समय श्रद्धालु भावुक हो उठे। भक्तों ने अगले वर्ष मां के पुनः आगमन की कामना करते हुए सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

लंपी त्वचा रोग



प्रमुख लक्षण

तेज बुखार • त्वचा पर गांठें • आँख–नाक से पानी • पैर/थन में सूजन • दूध में कमी

क्या करें	क्या न करें
• लक्षण दिखते ही पशु अलग करें, जाँच रिपोर्ट की प्रतीक्षा न करें।	• बीमार या संदिग्ध पशु को खरीदें बेचें अथवा बाहर न ले जाएँ।
• 1962 या नजदीकी सरकारी पशु चिकित्सक को सूचना दें।	• पशु हाट, मेला, प्रदर्शनी या सामूहिक चराई में न भेजें।
• उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में स्वस्थ एवं पात्र पशुओं का टीकाकरण कराएँ।	• त्वचा की गांठों को काटें, फोड़ें या जलाएँ नहीं।
• गौशाला, डेयरी फार्म, सीमा व पूर्व प्रकोप क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें।	• चूना, मिट्टी का तेल या घरेलू पदार्थ घाव पर न लगाएँ।
• पशुशाला साफ रखें तथा मच्छर, मक्खी और किलनी नियंत्रित करें।	• सलाह के बिना आइवरमेक्टिन या एंटीबायोटिक का अंधाधुंध उपयोग न करें।
• बीमार पशु के चारा–पानी, रस्सी और बर्तन अलग रखें।	• बीमार पशु का दूध कच्चा न पिएँ और न ही पिलाएँ।
• बीमार आवारा गोवंश की सूचना स्थानीय निकाय या पशु चिकित्सालय को दें।	• मृत पशु को खुले स्थान, नदी या तालाब में न फेंकें।
• मृत्यु होने पर सूचना देकर वैज्ञानिक निस्तारण कराएँ।	• रोग न छिपाएँ, अफवाह न फैलाएँ और पशु को लावारिस न छोड़ें।

एफएमडी व जीपीवी टीकाकरण
स्वस्थ पशु में एक ही समय, गर्दन के दोनों ओर अलग–अलग, प्रशिक्षित कर्मी से लगवाएँ

अंधाधुंध दवा न दें
आइवरमेक्टिन व एंटीबायोटिक केवल पशु चिकित्सक की सलाह और आवश्यकता पर दें

PR. No. 014228 (Animal)D. 2026-27

यह रोग मनुष्यों में नहीं फैलता है। घबराएँ नहीं–समय पर सूचना दें।

अधिक जानकारी हेतु स्थानीय पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।
विशेष जानकारी हेतु 1962 पर संपर्क किया जा सकता है।

पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा जनहित में प्रचारित

@BiharDFARD